901 **801(MC)**

2020

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे **15** मिनट] [पूर्णांक : **70**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए :

(i) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी महाकवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ii) 'करुणा' नामक निबन्ध के लेखक डॉ. सम्पूर्णानन्द हैं ।

(iii) संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक रामधारी सिंह दिनकर हैं।

(iv) 'कुटज' के लेखक जयप्रकाश भारती हैं।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए:

(i) बर्फ की गुड़िया

(ii) तुम चन्दन हम पानी

(iii) विचार वीथी

(iv) कंकाल

(ग) भेंटवार्ता विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए।

(घ) किसी एक महिला कहानीकार का नाम लिखिए ।

(ङ) 'मेरी कालेज डायरी' के लेखक का नाम लिखिए ।

2. (क) छायावादी काव्य की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) प्रयोगवादी काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

(ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक के रचनाकार का नाम लिखिए।

(i) पिघलते पत्थर

(ii) पद्माभरण

(iii) प्रियप्रवास

(iv) द्वापर

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) जो तरुण संसार के जीवन-संग्राम से के जीवन-संग्राम से दूर हैं, उन्हें संसार का ही मनमोहक प्रतीत होता है, जो वृद्ध हो गये हैं, जो अपनी बाल्यावस्था और तरुणावस्था से दूर हट आए हैं, उन्हें अपने अतीत काल की स्मृति बड़ी सुखद लगती है । वे अतीत का ही स्वप्न देखते है । तरुणो के लिए जैसे भविष्य उज्ज्वल होता है, वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत । वर्तमान से दोनों को असंतोष होता है । तरुण भविष्य को वर्तमान में लाना चाहते है और वृद्ध अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहते हैं। तरुण क्रान्ति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत-गौरव के संरक्षक । इन्हीं दोनों के कारण वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है और इसी से वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) वर्तमान सदैव क्षुब्ध क्यों रहता है ?

ईर्ष्या का काम जलाना है, मगर सबसे पहले वह उसी को जलाती है, जिसके हृदय में उसका जन्म होता है। आप भी ऐसे बहुत-से लोगों को जानते होंगे, जो ईर्ष्या और द्वेष की साकार मूर्ति हैं और जो बराबर इस फिक्र में लगे रहते हैं कि कहाँ सुननेवाला मिले और अपने दिल का गुबार निकालने का मौका मिले । श्रोता मिलते ही उनका ग्रामोफोन बजने लगता है और वे बड़ी ही होशियारी के साथ एक-एक काण्ड इस ढंग से सुनाते हैं, मानो विश्व-कल्याण को छोड़कर उनका और कोई ध्येय नहीं हो। अगर जरा उनके अपने इतिहास को देखिए और समझने की कोशिश कीजिए कि जबसे इन्होंने इस सुकर्म का आरम्भ किया है, तब से वे अपने क्षेत्र में आगे बढे हैं या पीछे हटे हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) ईर्ष्या का क्या काम है ? वह सबसे पहले किसे जलाती हैं?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए :

(क) मोर पखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरे पहिरौंगी।

ओढ़ि पितम्बर लै लकुटी, बन गोधन ग्वारन संग फिरौंगी।

भावतो वोहि मेरो रसखानि, सो तेरे कहे सब स्वांग करौंगी ।

या मुरली मुरलीधर की, अधरान धरी अधरा न धरौंगी ।।

स्वर्ग सृजन का साधन,

मानवता ही विश्व सत्य,

भू-राष्ट्र करें आत्मार्पण ।

धरा चन्द्र की प्रीति परस्पर,

जगत प्रसिद्ध पुरातन,

हृदय-सिंधु में उठता

स्वर्गिक ज्वार देख चन्द्रानन ।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए :

(i) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ii) जयप्रकाश भारती

(iii) डॉ. भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए :

(i) माखनलाल चतुर्वेदी

(ii) तुलसीदास

(iii) अशोक बाजपेयी

6. निम्नलिखित का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

एकदा बहवः जनाः धूमयानम् (रेल) आरुह्य नगरं प्रति गच्छन्ति स्म । तेषु केचित् ग्रामीणाः केचिच्च नागरिकाः आसन् । मौनं स्थितेषु तेषु एकः नागरिकः ग्रामीणान् उपहसन् अकथयत् "ग्रामीणाः अद्यापि पूर्ववत् अशिक्षिताः अज्ञाश्च सन्ति । न तेषां विकासः अभवत् न च भवितुं शक्नोति ।

अथवा

हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्ग जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम् ।

तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः ।।

7. (क) अपनी पाठयपुस्तक से कंठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:

(i) कुत्र मरणं मगलं भवति ?

(ii) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?

(iii) रोगः केन वर्धते ?

(iv) श्वेतकेतुः कः ?

8. (क) "पतिसिर देखत मन्दोदरी । मुरछित बिकल धरनि खसि परी ।।

जुबति बृन्द रोवति उठि धाई । तेहि उठाइ रावन पहिं आई ।।"

उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त रस का नाम लिखिए ।

अथवा

हास्य रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए ।

(ख) रोला' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित में प्रयुक्त छन्द का नाम लिखिए :

जो सुमिरत सिधि होइ, गननायक करिवर बदन ।

करहु अनुग्रह सोइ, बुद्धिरासि सुभ-गुन-सदन ।।

(ग) निम्नलिखित में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए :

'चरण कमल बन्दो हरि राइ।'

अथवा

'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए :

(i) अधि (ii) निर् (iii) अ (iv) अप (v) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए :

(i) वट

(ii) पन

(iii) ता

(iv) आई

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम बताइए :

(i) कुबुद्धि

(ii) नवग्रह

(iii) अंशुमाली

(iv) उत्थान-पतन

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए:

(i) कपूत

(ii) कलेस

(iii) माथा

(iv) मीत

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(i) इन्द्र

(ii) पत्थर

(iii) बिजली

(iv) तीर

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में संधि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए :

(i) मनु + अन्तर

(ii) अभि + उदयः

(iii) महा + औषधिः

(iv) राज + ऐश्वर्यम्

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप षष्ठी विभक्ति एकवचन में लिखिए :

(i) मधु अथवा नदी

(ii) तद् (पुल्लिंग) अथवा युष्मद्

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए :

(i) पठथ

(ii) अहसताम्

(iii) पश्यतु

(iv) पचेव

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(i) प्रयाग में गंगा-यमुना का संगम है ।

(ii) राम को अपनी पुस्तक पढ़नी चाहिए ।

(iii) सदा सत्य बोलो।

(iv) दान से कीर्ति बढ़ती है।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

(i) भ्रष्टाचार - कारण एवं निवारण

(ii) जल ही जीवन है

(iii) मेरी प्रिय पुस्तक

(iv) सदाचार

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'समारम्भ' सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के 'पृथ्वीराज' सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संकल्प' सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण संक्षेप में कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर राम-भरत मिलन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'विभीषण की मंत्रणा' खण्ड का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।